HW
शोधार्थ

मगध देश में एक तालाब में दो हंस एक कछुआ और मछलियाँ रहती थीं। हंसों और कछुए के बीच बहुत अच्छी दोस्ती थी। एक बार मछुआरों ने उस तालाब के सारे कछुआ और मछलियों को पकड़ने की खबर हंसों को तक पहुँच गई। और यह बात उन्होंने सबको बता दी। कछुआ सोच में पड़ गया की वो तालाब से कैसे जाएगा। हंसों ने योजना बनाई की वे एक लकड़ी के दोनों हिस्सों को अपनी - अपनी चोंच में दबालेंगे और कछुआ बीच में से ~~दबालेगा~~ अपनी मुँह से दबा लेगा। हंसों ने कछुए को कहा की वे बीच न बोले। और फ़िर वे जब एक गाँव से

गुज़र रहे थे सब कुछ बच्चे
पतंग उड़ा रहे थे। वो यह
देखकर आश्चर्य को गए। वे सब
~~बोलने के समय पर कछुआ~~ कछुए
के बारे में कुछ बोल रहे थे।
~~कछुआ उनकी~~ कछुए को उनकी
बात सुनकर गुस्सा आ गया। जब
वो ~~उनको~~ बच्चों को कुछ बोलने
की कोशिश की वो नीचे गिरकर
मर गया। हमें हमेशा मुसीबत
में भी संयम रखना चाहिए, वरना
हमारी हालत भी कछुए की तरह
होगी।